आरती कुंजǒबहारɈ कǐ (AarƟ Kunj Bihari Ki Lyrics)

आरती कुंजǒबहारɈ कǐ (AarƟ Kunj Bihari Ki Lyrics)
आरती कुंजǒबहारɈ कǐ,
Įीʼ गǐरधर कृçण मुरारɈ कǐ ॥

आरती कुंजǒबहारɈ कǐ,
Įीʼ गǐरधर कृçण मुरारɈ कǐ ॥

गले मɅ बैजंती माला,
बजावै मुरलɈ मधुर बाला ।
Įवण मɅ कुÖडल झलकाला,
नंद केआनंद नंदलाला ।
गगन सम अंग कांǓत कालɈ,
राधिका चमक रहɈ आलɈ ।
लतन मɅ ठाढ़े बनमालɈ
ħमर सी अलक,
कèतूरɈ Ǔतलक,
चंġ सी झलक,
लǐलत छǒव æयामा ÜयारɈ कǐ,
Įीʼ गǐरधर कृçण मुरारɈ कǐ ॥

॥ आरती कुंजǒबहारɈ कǐ...॥

कनकमय मोर मुकुट ǒबलसै,
देवता दरसन को तरसɅ ।
गगन सɉ सुमन रǒस बरसै ।
बजे मुरचंग,
मधुरʺ मरदंग,
Êवǐलन संग,
अतुल रǓत गोप कुमारɈ कǐ,
Įीʼ गǐरधर कृçणमुरारɈ कǐ ॥

॥ आरती कुंजǒबहारɈ कǐ...॥

जहां ते Ĥकट भई गंगा,
सकल मन हाǐरण Įी गंगा ।
èमरन ते होत मोह भंगा
बसीʺ शव सीस,
जटा केबीच,

हरै अघ कȧच,
चरन छैव |ीबनवारȣ कȧ,
|ी' गॉरधर कृç णमुरारȣ कȧ ॥

॥ आरती कुंजǑबहारȣ कȧ...॥

चमकती उÏÏवल तट रेनू,
बज रहȣ वृंदावन बेनू ।
चहुं ǑÖदस गोप Êवाल धेनू
हंसत मृदु मंद,
चांदनी चंद,
कटत भव फंद,
टेर सुन दȣन दुखारȣ कȧ,
|ी' गॉरधर कृç णमुरारȣ कȧ ॥

॥ आरती कुंजǑबहारȣ कȧ...॥

आरती कुंजǑबहारȣ कȧ,
|ी' गॉरधर कृç ण मुरारȣ कȧ ॥

आरती कुंजǑबहारȣ कȧ,
|ी' गॉरधर कृç ण मुरारȣ कȧ ॥